माउंट आबू-ज्ञान सरोवर में दीवाली कार्यक्रम

माउंट आबू, ब्रह्माकुमारी संगठन की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी रतनमोहिनी ने कहा कि बिना किसी अर्थ के बीती बातों का चिन्तन करने से ही जीवन में तनावजन्य परिस्थितियां पैदा होती हैं। स्वयं की आत्मिक शक्तियों पर ध्यान केन्द्रित करने से मन का अंधकार समाप्त हो जाता है। मन की अदम्य शक्तियां जागृत होने से जिन्दगी का हर पल बेहतर तरीके से उपयोग किया जा सकता है। यह बात उन्होंने ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कही।

ज्ञान सरोवर निदेशिका डॉ. निर्मला ने कहा कि अपने जीवन को ईश्वरीय मर्यादाओं के बंधन में बांधने से अनेक प्रकार के मन की उलझन वाले बंधन समाप्त हो जाते हैं। राजयोगिनी दादी पूर्णशांता ने कहा कि आत्मिक दीप प्रज्जवलित करने से मनोबल बढ़ता है। आत्मा रूपी दीप के मन की तार को परमात्मा रूपी महादीपक से जोडऩा ही राजयोग है। राजयोग का अभ्यास हर प्रकार के तनाव से मुक्ति दिलाता है।

कार्यक्रम प्रबंधिका बी.के. मुन्नी बहन ने कहा कि दृढ़ संकल्प के साथ हम अपनी दिनचर्या के हर कार्य में अध्यात्म को जोडऩे का सूत्र सीख लें तो निश्चित रूप से जीवन में अविनाशी शांति परछाई की तरह सदा साथ रहेगी। खेल प्रभाग उपाध्यक्ष बीके शशि बहन ने कहा कि दैवी संस्कारों को आचरण में लाने की चेष्टा करने से ईश्वर की मदद मिलती है। कार्यक्रम में वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका बीके. शीलू बहन, संतोष बहन रशिया, रजनी बहन जापान, मीडिया प्रभाग प्रमुख बीके करूणा, शांतिवन प्रबंधक बीके भूपाल भाई ग्लोबल अस्पताल निदेशक, शिक्षा प्रभाग अध्यक्ष बीके मृत्युजंय, बीके अशोक गाबा, बीके मोहन सिहंल, बीके सूर्या, बीके भरत आदि ने विचार व्यक्त किए।

देशी -विदेशी कलाकारों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

ज्ञान सरावर के हार्मनी हॉल के रंगमंच पर देसी-विदेशी कलाकारों ने भारत के विभिन्न प्रदेशों की संस्कृतियों के फूल बिखरेकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रशिया से आए विदेशी कलाकारों ने हिंदी गीत गाकर समूह नृत्य करते हुए दर्शकों की खूब दाद बटोरी।